दिनांक 18.10.2016 को "व्यक्तित्व विकास, माइंड एवं मेमोरी, नेतृत्व क्षमता का विकास, प्रबंधन एवं औपचारिक पहनावा, प्रेक्टिकल ट्रेनिंग अनुवादक, रेडियो जॉकी के क्षेत्र में कैरियर विषय पर श्री धर्मेजय पटेल, वीरेन्द्र यादव, महेश झारिया, अश्विन के द्वारा उक्त विषय पर व्याख्यान दिया गया।

28-29 अगस्त 2016

सुभद्रा कुमारी चौहान स्मृति समारोह

- डॉ. स्मृति शुक्ल
सहायक प्राध्यापक (हिंदी)

साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना की सुप्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान की स्मृति में दिनांक 29 एवं 30 अगस्त को द्वि-दिवसीय स्मृति समारोह का आयोजन शासकीय मानकुंवरबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर के सभागृह में किया गया। दिनांक 29.08.16 को नगर के सुप्रसिद्ध आचार्य कृष्णकांत चतुर्वेदी जी की अध्यक्षता, डॉ. के.एल. जैन अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग के मुख्य आतिथ्य में तथा श्री कार्तिक चौहान (सुभद्रा जी के पोते) वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी पश्चिम मध्य रेल्वे के विशिष्ट आतिथ्य एवं सारस्वत अतिथि डॉ. पवन कुमार तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की गई एवं डॉ. राजीव जैन के मार्गदर्शन में सुभद्रा जी की कविताओं की प्रस्तुति कुमारी रोली राज एवं कु. दीपाली द्वारा प्रस्तुत की गई। साहित्य अकादमी भोपाल के निदेशक डॉ. उमेश कुमार सिंह द्वारा सभी अतिथियों का पुस्तकों द्वारा स्वागत किया गया तथा स्वागताध्यक्ष डॉ. उषा दुबे ने महाविद्यालय की ओर से सभी अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ ही सुभद्रा जी के योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला।

निदेशक साहित्य अकादमी डॉ. उमेश कुमार सिंह ने सुभद्रा कुमारी चौहान स्मृति समारोह को सरकारी महाविद्यालय में मनाये जाने के कारणों को स्पष्ट करते कहा कि युवा पीढ़ी मध्यप्रदेश के रचनाकारों के साहित्य को पढ़ें, उनके बहूमूल्य योगदान को जानें और उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लें इसलिए साहित्य अकादमी द्वारा युवी पीढ़ी को इस कार्यक्रम से जोड़ा गया।

श्री कार्तिक चौहान ने कहा कि साहित्य अकादमी भोपाल के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने सुभद्रा जी की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया और कवयित्री के परिवार के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए मुझे इस आयोजन में निमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि सुभद्रा जी ने "झांसी की रानी" पर इसलिये लिखा, क्योंकि वे हमारे स्वातंत्र्य समर की नायिका थी।

डॉ. पवन कुमार जी तिवारी ने अपनी ओजस्वी वाणी में सुभद्रा कुमारी चौहान की राष्ट्रीय कविताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को सुभद्राजी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉ. के.एल. जैन ने सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व और उनकी रचनाओं को केंद्र में रखकर अपनी बात की। उन्होंने सुभद्रा जी की अनेक कविताओं के माध्यम से सुभद्रा जी की राष्ट्रभक्ति की भावना को अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य कृष्णकांत चतुर्वेदी ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. उमेश कुमार सिंह को विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने ऋग्वेद में वर्णित इस वेदि प्रदेश अर्थात महाकौशल प्रांत के जबलपुर नगर में सुभद्रा कुमारी चौहान जी की स्मृति में यह कार्यक्रम आयोजित किया। आचार्य कृष्णकांत चतुर्वेदी ने कहा कि सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में वीरता, देश प्रेम और शौर्य के साथ गहन मानवीय संवदेना भी थी। सुभद्रा कुमारी चौहान समारोह की स्थानीय संयोजक डॉ. स्मृति शुक्ल ने कहा सुभद्रा कुमारी चौहान हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की सुप्रसिद्ध कवयित्री, स्वाधीनता संग्राम की सक्रिय सेनानी, अपनी कविताओं से देश में भक्ति साहस और नवचेतना का संचार करने वाली, झाँसी की रानी के साथ तत्कालीन इतिहास की पूरी एक कविता में जीवंत करने वाली, हमारे राष्ट्र का गौरव है।

दिनांक 29.08.16 को डॉ. साधना उपाध्याय की अध्यक्षता में काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंतर्महाविद्यालयीन काव्य पाठ प्रतियोगिता में जबलपुर के अतिरिक्त सिहोरा, पनागर सहित आठ महाविद्यालयों के 46 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की तथा भाषण प्रतियोगिता में 34 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। काव्य पाठ प्रतियोगिता में कु. फातिमा सैफी बी.ए. पंचम सेमेस्टर शासकीय मानकुंवर महाविद्यालय प्रथम, कु. गरिमा शुक्ल बी.ए. पंचम सेमेस्टर, संतअलायसिस महाविद्यालय, जबलपुर द्वितीय स्थान पर तथा कु. एकता शासकीय श्याम सुंदर महाविद्यालय सिहोरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में कु. कंचन उमरे, एम.ए. अंग्रेजी शासकीय मानकुंवर बाई महाविद्यालय, प्रथम कु. दीपाली ठाकुर द्वितीय तथा श्री प्रवेश रैकवार शासकीय कला महाविद्यालय पनागर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्यपाठ प्रतियोगिता का संचालन डॉ. किरण जैन तथा भाषण प्रतियोगिता का प्रभार एवं संचालन डॉ. सुलेखा मिश्रा ने किया। दिनांक 30 अगस्त को तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. कपिल देव मिश्र कुलपति रानी दुर्गावती वि.वि. ने की। प्रो. कपिल देव मिश्र ने सुभद्रा जी के साहित्य में राष्ट्रभाव की बात झंडा सत्याग्रह से प्रारंभ की। उन्होंने अपने तेजस्वी और विस्तृत वक्तव्य में सुभद्रा जी के साहित्यिक अवदान के साथ उनके सामाजिक अवदान पर भी चर्चा की। मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती स्वाति सदानंद गोडबोले, महापौर, जबलपुर नगर निगम, जबलपुर ने सुभद्रा कुमारी चौहान की कविता झाँसी की रानी को केंद्र में रखकर बात की। डॉ. नीना उपाध्याय एवं डॉ. नुपुर निखिल देशकर ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विमर्श सत्र में सुभद्रा जी की कृतियों को केंद्र में रखकर वक्ताओं ने अपनी बात की। डॉ. उषा दुबे ने कहा सुभद्रा जी कि कविताओं में राष्ट्रप्रेम रचा बसा है।

विवेकरंजन श्रीवास्तव ने सुभद्रा जी को कहानियों में नारी अस्मिता की बात की। डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने कहा कि सुभद्रा जी के समग्र योगदान को अभी पूरी तरह मूल्यांकित नहीं किया गया है। झंडा सत्याग्रह के अंतर्गत गिरफ्तार होने वाली वे पहली महिला थी। उनकी वीरों का कैसा हो बसंत, जलियावालावाग में बसंत झाँसी की रानी जैसी रचनाएँ कालजयी हैं। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में डॉ. सुरेश कुमार वर्मा ने पूर्व वक्ताओं की बातों को सार रूप में प्रस्तुत करते हुए सुभद्रा जी के योगदान पर विस्तार से चर्चा की। इस सत्र का संचालन